हंसध्वनि

पवन हंस लिमिटेड की राजभाषा ई-पत्रिका

हिंदी पखवाड़ा विशेषांक

हमारी दृष्टि:

"यात्रियों को विश्व श्रेणी की संरक्षित, सुरक्षित, संधारणीय, वहनीय विमानन सेवाओं के अवसर प्रदान करना।"

हमारा ध्येय:

" हैलीकॉप्टर तथा सी-प्लेन सेवाओं में बाजार के नेतृत्व की प्राप्ति, फिक्स्ड विंग्स वाले छोटे विमानों से क्षेत्रीय वायु सम्पर्कता उपलब्ध करवाना तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मरम्मत एवं ओवरहॉल की सेवाएं उपलब्ध करवाना।"

विचार प्रवाह

"जब तक हम किसी भी काम को करने की कोशिश नहीं करते हैं,
तब तक हमें वो काम नामुमकिन ही लगता है।"

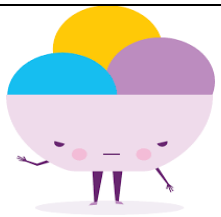

"प्रेम एक ऐसा अनुभव है जो मनुष्य को कभी हारने नही देता,
और घृणा एक ऐसा अनुभव है जो इंसान को कभी जीतने नही देता।"

"जिस दिन आप बुरे विचारों के ऊपर अच्छे विचारों को रख देंगे,
जिन्दगी खुदबखुद और बेहतरीन हो जाएगी।"

"जिन्दगी हमें हमेशा एक नया पाठ पढ़ाती है, लेकिन हमें समझाने के
लिए नही बल्कि हमारी सोच बदलने के लिए।"

"समय धन से अधिक मूल्यवान है। आप अधिक धन तो पा सकते
हैं, लेकिन अधिक समय कभी नहीं पा सकते।"

"अपनी उर्जा को चिंता करने में खत्म करने से बेहतर है,
इसका उपयोग समाधान ढूंढने में किया जाए।"

"बीता हुआ कल बदला नहीं जा सकता,
लेकिन आने वाला कल हमेशा आपके हाथ में होता है।"

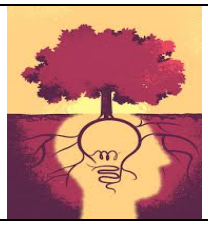

राजभाषा हिन्दी

राजभाषा हिन्दी

देश का विकास हिंदी के साथ

हंसध्वनि

संपादक मंडल

संरक्षक

सुश्री उषा पाढ़ी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

मार्गदर्शक

एयर कमोडोर टी ए दयासागर
पूर्णकालिक निदेशक

प्रधान संपादक

श्री एच एस कश्यप
राजभाषा सर्वकार्य प्रभारी
सह
संमप्र (मासं व प्रशा)

संपादक

श्री रजनीश कुमार सिन्हा
प्रबंधक (राजभाषा)

अनुक्रमणिका

सचिव, नागर विमानन मंत्रालय का संदेश	04
संयुक्त सचिव, नागर विमानन मंत्रालय का संदेश	05
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	06
संयुक्त निदेशक (राजभाषा), नागर विमानन मंत्रालय का संदेश	07
सहायक निदेशक (राजभाषा), नागर विमानन मंत्रालय का संदेश	08
पूर्णकालिक निदेशक का संदेश	09
प्रधान संपादक एवं राजभाषा प्रमुख की कलम से	10
स्वास्थ्य चर्चा "डर लगता है"	11
भुलाए न भूलेगी मेरी पहली हवाई यात्रा	12
रेल व सड़क से अमृतसर व धर्मशाला की रोमांचक यात्रा	15
भारत में राजभाषा हिंदी का महत्व	17
मेरे जीवन की यादगार हेलीकॉप्टर यात्रा का अनुभव	18
राजभाषा स्लोगन	20
फोटो फीचर	27

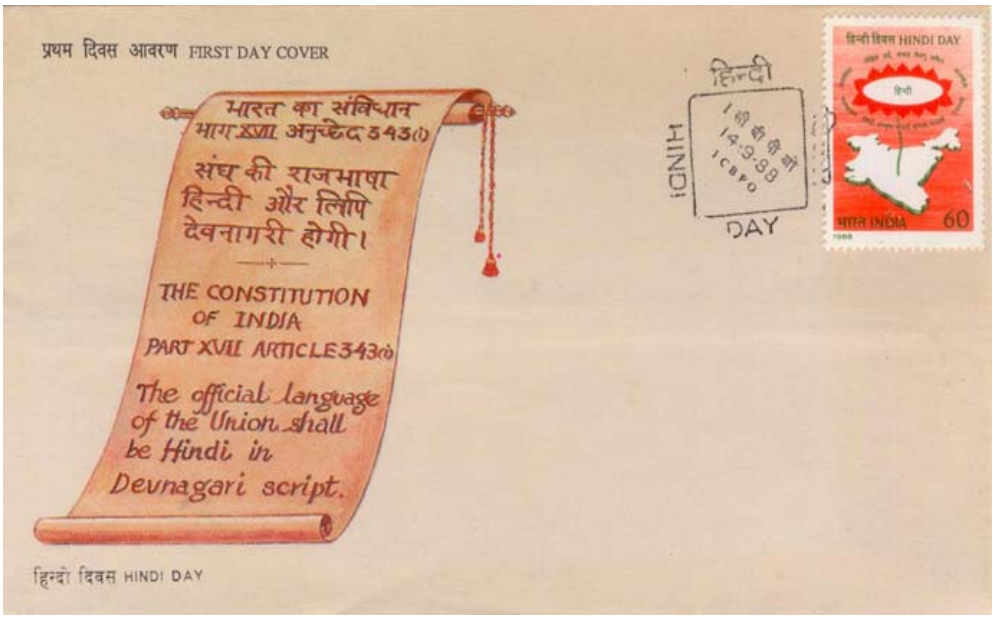

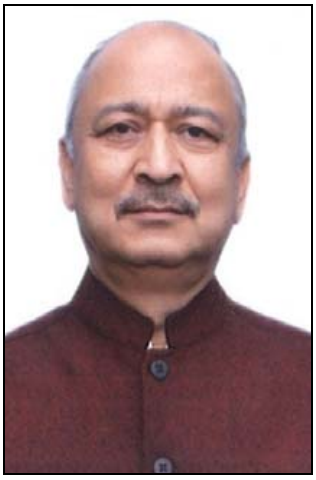

श्री प्रदीप सिंह खरोला
सचिव
नागर विमानन मंत्रालय

सचिव, नागर विमानन मंत्रालय का संदेश

यह हर्ष का विषय है कि पवन हंस लिमिटेड द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर उपक्रम की गृह पत्रिका "हंसध्वनि" के हिंदी दिवस विशेषांक का ई-पत्रिका के रूप में प्रकाशन किया जा रहा है।

मेरा मानना है कि सहज हिंदी के प्रयोग को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने में गृह पत्रिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पत्रिका के प्रकाशन से अधिकारियों व कर्मचारियों की रचनात्मक प्रतिभा का विकास होता है और हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बल मिलता है।

मुझे विश्वास है कि "हंसध्वनि" के आगामी अंक भी पवन हंस लिमिटेड के कार्यालयों में राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने में सहायक होंगे। गृह पत्रिका के राजभाषा विशेषांक के रूप में इस ई-अंक के सफल प्रकाशन के लिए पत्रिका के संपादकीय मंडल और पवन हंस लिमिटेड को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रदीप

(प्रदीप सिंह खरोला)

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

हिंदी ही भारत की राष्ट्रभाषा हो सकती है।
- वी. कृष्णस्वामी अय्यर

श्री सत्येंद्र कुमार मिश्रा
संयुक्त सचिव
नागर विमानन मंत्रालय

संयुक्त सचिव, नागर विमानन मंत्रालय का संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि पवन हंस लिमिटेड द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर उपक्रम की गृह पत्रिका "हंसध्वनि" का राजभाषा विशेषांक के रूप में ई-अंक प्रकाशित किया जा रहा है।

ई-पत्रिका का दायरा निश्चित तौर पर बड़ा होता है और साझा करने के विकल्पों के आधार पर ईलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से इसे अपेक्षाकृत बड़े लाभार्थी समूह तक पहुँचाया जा सकता है। मित्तव्ययिता के आधार पर भी इसकी लागत लगभग नगण्य है और इससे भारत सरकार की डिजिटल इंडिया मुहिम को बल मिलता है। मुझे विश्वास है कि ई-अंक के रूप में हंसध्वनि का राजभाषा विशेषांक निश्चित तौर पर राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी बल प्रदान करने का माध्यम बनेगा।

"हंसध्वनि" के राजभाषा विशेष ई-अंक के सफल प्रकाशन के लिए संपादक मंडल को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(सत्येंद्र कुमार मिश्रा)

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया।

- डॉ. राजेंद्र प्रसाद

सुश्री उषा पाढ़ी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

एक छोटी अवधि में पवन हंस की गृह पत्रिका के माध्यम से आप सभी से रूबरू होने का यह दूसरा अवसर है और हिंदी पखवाड़ा, 2019 के अवसर पर जारी हो रहे "हंसध्वनि" के इस ई-अंक को प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।

गृह पत्रिकाएं किसी भी संगठन के कार्मिकों को एक रचनात्मक मंच उपलब्ध कराती हैं जिसके माध्यम से वे अपनी लेखकीय प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। यह कार्मिकों के भीतर छिपी हुई रचनात्मकता को उभारने के साथ राजभाषा हिंदी में कार्य के लिए सशक्त वातावरण तैयार करने में भी महत्वपूर्ण योगदान करती हैं।

कार्यालयों में राजभाषा नीति को लागू किया जाना एक सांवैधानिक आवश्यकता है जिसके लिए हमें सदैव सकारात्मक प्रयास जारी रखना है। हेलीकॉप्टर ऑपरेटर के रूप में अपनी व्यावसायिक भूमिका के निर्वहन के साथ राजभाषा हिंदी में कार्य की प्रेरणा प्रदान करने वाले पवन हंसकर्मी व "हंसध्वनि" के रचनाकार बधाई के पात्र हैं। "हंसध्वनि" पत्रिका के प्रकाशन से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े हुए प्रत्येक पवन हंस कर्मी को धन्यवाद सहित आप सभी को सुरुचिपूर्ण पाठन की शुभकामनाएं और राजभाषा की प्रगामी प्रगति सुनिश्चित करने की प्रेरणास्वरूप अमेरिकी कवि रॉबर्ट ली फ्रॉस्ट की हरिवंश राय बच्चन द्वारा अनुवाद की गई चंद पंक्तियां:

गहन सघन मनमोहक वन तरु मुझको याद दिलाते हैं
किंतु किए जो वादे मैंने याद मुझे आ जाते हैं
अभी कहाँ विश्राम पथिक यह मूक निमंत्रण छलना है
अरे अभी तो मीलों मुझको मीलों मुझको चलना है....

शुभकामनाओं के साथ!

उषा पाढ़ी
(उषा पाढ़ी)

समस्त आर्यावर्त या ठेठ हिंदुस्तान की राष्ट्र तथा शिष्ट भाषा हिंदी या हिन्दुस्तानी है।
-सर जार्ज ग्रियर्सन

सुश्री रमा वर्मा
संयुक्त निदेशक (राजभाषा)
नागर विमानन मंत्रालय

संयुक्त निदेशक (राजभाषा), नागर विमानन मंत्रालय का संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि देश के राष्ट्रीय हेलीकॉप्टर परिचालक के रूप में ख्यात सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम पवन हंस लिमिटेड द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में भी नवीन पहल के रूप में अपनी गृह पत्रिका "हंसध्वनि" के ई-अंक को हिंदी दिवस, 2019 के अवसर पर राजभाषा विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

हिंदी की गृह पत्रिकाएं केंद्र सरकार के कार्यालयों में अंतर कार्यालयी संपर्क को बेहतर तरीके से बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। मुझे विश्वास है कि पवन हंस की ई गृह पत्रिका "हंसध्वनि" उपक्रम के कार्मिकों में हिंदी में कार्य करने की प्रेरणा का प्रसार करने के साथ हिंदी में रचना कर्म करनेवालों के लिए एक मंच बनेगी।

मैं "हंसध्वनि" के निरंतर सुचारू प्रकाशन की कामना करती हूँ एवं इस पत्रिका से जुड़े सभी कार्मिकों एवं संपादक मंडल को अपनी शुभकामनाएं देती हूँ।

(रमा वर्मा)

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

PHL

इस विशाल प्रदेश के हर भाग में शिक्षित-अशिक्षित, नागरिक और ग्रामीण सभी हिंदी को समझते हैं।

- राहुल सांकृत्यायन

श्री राकेश कुमार मलिक
सहायक निदेशक (राजभाषा)
नागर विमानन मंत्रालय

सहायक निदेशक (राजभाषा), नागर विमानन मंत्रालय का संदेश

पवन हंस लिमिटेड की ई-अंक के रूप में प्रकाशित होने वाली गृह पत्रिका "हंसध्वनि" के राजभाषा अंक के लिए हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि इस पत्रिका का आगामी अंक दिनांक 14 सितंबर, 2019 को हिंदी दिवस के अवसर पर प्रकाशित हो रहा है। इस रूप में आप सभी को हिंदी दिवस, 2019 की भी हार्दिक शुभकामनाएं।

गृह पत्रिकाओं का कार्य भारतीय भाषाओं के बीच सौहार्द्र के साथ राजभाषा हिंदी में कार्य की प्रतिशतता को बढ़ाना है। गृह पत्रिका को ई-संस्करण के रूप में निकालने से इसका प्रसार व प्रभाव दोनों के बढ़ने की सकारात्मक उम्मीद की जा सकती है। मुझे विश्वास है कि पवन हंस लिमिटेड की गृह पत्रिका "हंसध्वनि" का राजभाषा ई-अंक उपक्रम में हिंदी का प्रगामी प्रयोग बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

"हंसध्वनि" के राजभाषा ई-अंक के सफल प्रकाशन की कामना के साथ इस पत्रिका से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े सभी सुधी सज्जनों को सुरुचिपूर्ण पाठन की हार्दिक शुभकामनाएं।

(राकेश कुमार मलिक)

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

भारत की परंपरागत राष्ट्रभाषा हिंदी है।
- नलिन विलोचन शर्मा

एयर कमोडोर टी ए दयासागर
पूर्णकालिक निदेशक

पूर्णकालिक निदेशक का संदेश

पवन हंस के कार्मिकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

हंसध्वनि के माध्यम से पहली बार आपसे रूबरू होते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। पवन हंस की अपनी गृहपत्रिका हंसध्वनि के माध्यम से पवन हंस कर्मियों को अपनी रचनाओं को साझा करने का मंच मिलता है। इस पत्रिका के माध्यम से अपना सरकारी कामकाज हमें राजभाषा हिंदी में पूरा करने की प्रेरणा भी मिलती है। इसी सकारात्मक प्रेरणा के बल पर हम हेलीकॉप्टर परिचालन के अपने मूल उद्देश्यों की ही भांति संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रति भी पूरी तरह सचेत और जागरूक रहकर कार्यालयीन कामकाज में अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी का प्रयोग करते हैं।

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है कि आज जब हम कारोबारी विकास के लिए ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक अपनी पहुँच बनाने के लिए लोकलाइजेशन अर्थात स्थानीय भाषाओं में अपने वस्तुओं और सेवाओं की विशेषता बताने की ओर अग्रसर हैं हिंदी में ज्यादा से ज्यादा काम हमारी सेवाओं के प्रसार के लिए बहुत जरूरी हो जाता है।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

ई-पत्रिका के रूप में हंसध्वनि के नए अंक को प्रस्तुत करने के साथ ही साथ आप सबों से अपील है कि हममें से प्रत्येक अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी में कार्य को बढ़ाने के लिए सदैव प्रयासरत रहे और पत्राचार विशेष तौर पर ईमेल से किए जाने वाले पत्राचार के लिए राजभाषा विभाग के समन्वय से मिशन मोड में हरसंभव पहल करता रहे।

शुभकामनाओं सहित।

टी ए दयासागर

(एयर कमोडोर टी ए दयासागर)

अपनी सरलता के कारण हिंदी स्वयं ही राष्ट्रभाषा हो गई है।

- भवानीदयाल संन्यासी

एच एस कश्यप
संयुक्त महाप्रबंधक
(मासं व प्रशा)

प्रधान संपादक एवं राजभाषा प्रमुख की कलम से...

राजभाषा संबंधी निरीक्षण के क्रम में पिछले वर्ष भाषाई आधार पर "ग" क्षेत्रों के दौरे पर था और इस क्रम में मेरा व्यक्तिगत तौर पर यह अनुभव रहा कि हिंदी भाषा में कामकाज से हम देश के हरेक कोने तक अपनी पहुँच बना सकते हैं। बाजार में ग्राहकों को समझ में आने वाली भाषा के रूप में आज हिंदी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की पहली पसंद है। अमेरिका में प्रचलित दक्षिण एशियाई भाषाओं में हिंदी सबसे लोकप्रिय है। देश विदेश में अपनी लोकप्रियता के दम पर आज हिंदी का प्रसार बढ़ा है।

पवन हंस में भी हम भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा प्रति वर्ष जारी किए जाने वाले वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों को पूरा करने तथा समय-समय पर दिए जाने वाले निर्देशों के अनुपालन के द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रगोग की दिशा में नई पहल करते रहते हैं।

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को ध्यान में रखते हुए पवन हंस मे समय-समय पर प्रबंधन विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत कार्मिकों को हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है तथा प्रशिक्षण संबंधी सामग्री भी हिंदी में उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। इस क्रम में मुझे ध्यान आ रहा है कि इस वर्ष के दौरान एक्सेल और पावरप्वाइंट से जुड़े प्रशिक्षण के साथ ही नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने से संबंधित प्रशिक्षणों को हिंदी माध्यम से दिया गया।

पवन हंस की गृह पत्रिका हंसध्वनि के एक नए अंक को प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। राजभाषा अंक के रूप में हिंदी से जुड़ी हुई रचनाओं के साथ इस अंक में हमने विविध सामग्रियों को प्रस्तुत किया है। हमारा यह प्रयास कैसा लगा इसे जानने की उत्सुकता रहेगी।

आपकी प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा में शुभकामनाओं सहित!

एच. एस. कश्यप

(एच एस कश्यप)

भारतीय एकता के लक्ष्य का साधन हिंदी भाषा का प्रचार है।

- टी. माधवराव

हेल्थ-वेल्थ

डर लगता है...

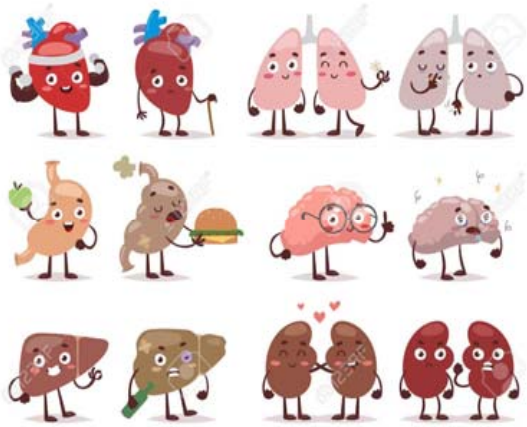

डर लगता है

आमाशय को डर लगता है जब आप सुबह का नाश्ता नहीं करते हैं।

किडनी को डर लगता है जब आप 24 घण्टों में 10 गिलास पानी भी नहीं पीते।

गॉल ब्लेडर को डर लगता है जब आप 10 बजे रात तक भी सोते नहीं और सूर्योदय तक उठते नहीं हैं।

छोटी आँत को डर लगता है जब आप ठंडा और बासी भोजन खाते हैं।

बड़ी आँतों को डर लगता है जब आप तैलीय मसालेदार मांसाहारी भोजन करते हैं।

फेफड़ों को डर लगता है जब आप सिगरेट और बीड़ी के धुएं, गंदगी और प्रदूषित वातावरण में सांस लेते हैं।

लीवर को डर लगता है जब आप भारी तला भोजन, जंक और फ़ास्ट फ़ूड खाते हैं।

हृदय को डर लगता है जब आप ज्यादा नमक और केलोस्ट्रोल वाला भोजन करते हैं।

पैनक्रियाज को डर लगता है जब आप स्वाद और मुफ्त के चक्कर में अधिक मीठा खाते हैं।

आँखों को डर लगता है जब आप अंधेरे में मोबाइल और कंप्यूटर के स्क्रीन की लाइट में काम करते है।

और

मस्तिष्क को डर लगता है जब आप नकारात्मक चिन्तन करते हैं।

सो,

आप अपने तन के कलपुर्जों का पूरा- पूरा ख्याल रखें और इन्हें मत डरायें।

ये सभी कलपुर्जे बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। जो उपलब्ध हैं वे बहुत महँगे हैं और शायद आपके शरीर में फिट भी न हो सकें। इसलिए अपने शरीर के कलपुर्जों को स्वस्थ रखे।

पवन हंस राजभाषा अनुभाग फीचर डेस्क की प्रस्तुति

राष्ट्रीय एकता की कड़ी हिंदी ही जोड़ सकती है।

- बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

हिंदी मेरे हिंद की

ललित निबंध

हिंदी हिन्द की, हम सबकी भाषा है।

- र. रा. दिवाकर

भुलाए न भूलेगी मेरी पहली हवाई यात्रा

मेरे परिवार ने हवाई जहाज को बहुत बार आकाश में देखा था। पर आज तक कोई हवाई जहाज से यात्रा नहीं किया था। उसमे बैठने का स्वप्न देखने की गलती उन्होने कभी नहीं की होगी। इतना तो मुझे पूरा विश्वास है। ओ लोग बगल से एक बार हवाई जहाज देख पाते तो खुद को भाग्यशाली मानते। हमारे गाँव में भाषण के लिए भीड़ इकट्ठा करनी हो तो, बस नेताओं को हेलीकाप्टर से पहूँचना होता था। और फिर जमा होती थी भारी भीड़। मैंने जब पहली बार हेलीकाप्टर देखा तो दो घंटे तक हेलीकाप्टर और उसके बड़े-बड़े पंखे देखता रहा और दिमाग सोचता रहा उसका उड़ना। मेरे खानदान में सबने जहाज देखा था पर दूर से।

सबके आशीर्वाद से मेरी नौकरी शहर मे लगी। अब तो मै बगल से हवाई जहाज देख सकता हूँ। यह मन चिड़िया है ना, बड़ा लोभी होता है। आमदनी बढ़ी तो मेरे मन का अपना सपना शुरू हो गया। अब मानव जन्म सार्थक करने का मौका है। कुछ घंटे के लिए पंछी का अवतार मिल सकता है। तो मैंने ठान लिया, हवाई जहाज की सफर करनी है। सस्ते दर्जा की हवाई यात्रा भी चलेगी। गूगल की बुटी दादाजी के दवाई के काम आती थी। हमने गुगल डाट काम का उपयोग किया इंटरनेट पर सस्ते हवाई जहाज टिकिट खोजने में। बहुत छानकर मिला एक। मै बहुत खुश हुआ। मुझे पता चला की हवाई जहाज में खूबसूरत हवाई सुंदरी होती है। अब क्या था मेरा मन हिलोरे मारने लगा। इस मुसीबत की दुनिया से काफी ऊपर, नील आकाश में परियों के साथ यात्रा।

शुरू हो गयी तैयारी। टिकिट आरक्षित करवाया इंटरनेट से। मगर विश्वास नहीं हुआ की बिना कतार में लगे खुद से छपवाया हुआ कागज टिकिट कैसे हो सकता है। खुद को ऐसे मनाया कि मुझे ठग सकते हैं, लेकिन सभी को थोड़े ही न ठगेंगे। कुछ भी हो हमलोग समझदार यात्री हैं, हमने टिकिट पर छपे नियम-कानुन ध्यान से पढ़े। देखा एक ही पेटी ले जाने को कहा है। उसकी लंबाई-चौड़ाई-ऊंचाई भार, 15 किलो सब निर्धारित है। और एक अलग से लैपटॉप जा सकता है। चल तब तो ठीक है। टिकिट करवाया था यात्रा के एक महिना पहले। घर पर तो पहले बता ही दिया की मै इस बार हवाई जहाज से आ रहा हूँ। रिश्तेदारो में यह बात फैल गयी। अब उनसे बात होती तो, हवाई जहाज का जिक्र जरुर करता।

मै अब दिन गिनने लगा। सामान भर कर पेटी बहुत भारी लग रही थी - कही 15 किलो तो न हो गया। सुबह बनिया की दुकान गया। कहा - “भैया मेरा पेटी का वजन कर दो।” चावल - दाल की जगह पेटी, वह शायद यह सोच रहा होगा। पता है, वह भारी था सिर्फ 12 किलो।

हिंदी मेरे हिंद की

देश को एक सूत्र में बांधे रखने के लिए एक भाषा की आवश्यकता है और वह भाषा है हिंदी।

- सेठ गोविंददास

उस दिन हवाई जहाज शाम को थी। कार्यालय से भी जाया जा सकता था, यही तो व्यस्त जीवन है न। कार्यालय का काम भी ज्यादा कुछ नहीं था। दोपहर का खाना कार्यालय में उस दिन खाया भी न गया। बहुत सारे सहकर्मियों के लिए हवाई यात्रा, ऑटो रिक्शा जैसा था। पर मै पहली बार जा रहा था। मै एक बार खाली चढ तो लूँ, हवाई जहाज पर, औरों की तरह अपना भी जन्म सार्थक हो जाए। हवाई अड्डे जाने के नाम पर ऑटोवाले ने भी ज्यादा दाम लगाया। उसने पचास रुपये ज्यादा लिये। खैर मैंने भी सोचा, हवाई जहाज से जाने वालो को इन ऑटो वालों से ज्यादा मोल भाव नहीं करना चाहिए। मै भी मान गया, उसका भाव। ओ खुश होकर ले जा रहा था हवाई यात्री को। वैसे ही घर सात महीने के बाद जा रहा था, वो भी हवाई जहाज से। वहाँ घर पर सब महीने - दिन - अब घंटे गिन रहे थे। हवाई अड्डे पर पहुँचकर देखा तो सभी स्टैंडर्ड यात्री। ज़्यादातर बढ़िया सूटकेस और पेटी लेकर चलने वाले। इधर हमारे रेलवे स्टेशन पर तो झोला वाले ज्यादा दिखते हैं, वैसे सस्ते सूटकेस ही आजकल खुब दिखते हैं। मन में हम ने भी सोचा कि अगली बार के लिए एक हवाई यात्रा लायक सूटकेस खरीदना होगा, आखिर हमारे सम्मान की बात है। खैर हमने भी अपनी पेटी के चेन की जाँच पड़ताल कर लिया था। किस्सा था कि उस पेटी का चेन कभी-कभी फिसलता था।

हमारे एक मित्र हैं, जिन्होने बता दिया था कि पूरी जाँच पड़ताल होती है, आसन संख्या भी वही जाकर मिलेगी इसलिए दो घंटे पहले जाना चाहिए। हमने लिखा देखा, “चेक इन” और खड़ा हो गया, अपनी पेटी लेकर। मै पूरा दो घंटे पहले पहुँचा था इसलिए सबसे पहिला मै था कतार में। पुरे बीस मिनिट खड़ा रहा वही। पीछे मुडकर देखा तो लंबी कतार लगी थी। चेक इन शुरू हो गयी। मेरे सामने एक पट्टी चलने लगी। एक कर्मचारी ने डाल दिया मेरा पेटी को उस पट्टी पे। चला गयी, बेचारी पेटी - बिना मालिक के, एक छोटी सी गुंफा में। मेरे पैर के मोच का एक्सरे करवाया था तो दो सौ रूपये लगे थे। अरे वाह, यहाँ सामान का एक्सरे फ्री। हमे बगल के दुसरे रास्ते से टिकिट देखकर जाने दिया। सोचा कि मेरी पेटी मिल जाएगी अंदर जाकर। पर नहीं मिली पेटी, मै वहाँ खडा रहा। मेरे पीछे खड़े कई महाशय अपना सूटकेस लेकर चले गये। उसके बाद दो और अपना सामान लेकर चले गये। मेरी पेटी देखी तो जाँच करने वालों ने उठाकर रखी थी। उसने मेरे पेटी के अंदर के सामान के बारे मे पूछा, मैंने उसे अंदर कि दवाई के बारे मे बता दिया। वह संतुष्ट हो गया कि मै उग्रवादी नहीं हूँ । खैर मुक्ति मिल गयी। उनलोगों ने उसे पुरा सुरक्षा स्टिकर से सील किया।

हिंदी मेरे हिंद की

उसी दिन मेरा जीवन सफल होगा जिस दिन मैं सारे भारतवासियों के साथ शुद्ध हिंदी में वार्तालाप करूँगा।

- शारदाचरण मित्र

अब मेरे पीछे आये सारे लोग हवाई अड्डे में सभी बड़े प्रेम से अपना सामान लेकर जा रहे थे, आसन संख्या लेने। अब एक बात तो पक्की थी कि मेरे पहले बहुत लोग अपना आसन संख्या ले चुके थे। लेकिन मेरी किस्मत तेज थी और मुझे खिड़की वाली आसन मिल गयी। हमारी लाटरी लग गयी। मन किया कि लाल परी का भ्रमणध्वनि संख्या माँग लूँ , जिसने मुझे खिड़की वाली आसन दिलाई, पर स्वाभिमानी मै भी कम नहीं - नहीं लिया। उधर मेरी पेटी एक बंदे ने वही पर ले लिया, रह गया हाथ मे मेरा हैंडबैग। जिसमे था मेरा लैपटॉप, पानी कि बोतल, और मेरी किताबें। अब जाना था प्रतीक्षालय (वेटिंग कारीडोर) में। फिर जाँच हूई मेरे हैंडबैग की, फिर उसका एक्सरे हूआ, बाकी लोगों के साथ। फिर हम एक बस मे बैठ कर विमान तक गए। सीढ़ी से विमान में, और आसन पर बैठेने के बाद हमने आसन पट्टी बाँधी। धीरे धीरे हवाई जहाज चलने लगा, अचानक गति पकड़ वह हवा में उड़ गया। मै उत्साहित हसता रहा। फिर हवाई जहाज सीधा होने पर मैने खिड़की से बादलों का आनंद उठाया। जहाज का दृश्य रेल के बड़े उच्च श्रेणी के डिब्बे जैसा ही लग रहा था। यहाँ की आसने बड़ी आरामदेह थी। अब जहाज पूरी ऊंचाई पर आ गया था। मै काच की खिड़की से बाहर नीचे जमीन का दृश्य देख कर बड़ा रोमांचित हुआ। पूरे दो घंटे पंछी की तरह हवा मे उड़ रहा था। आज मेरा सपना पूरा हुआ था। धीरे धीरे जहाज नीचे उतरने लगा और हमे लंबी हवाई पट्टी दिखाई देने लगी। एक धड्ड की आवाज के साथ हवाई जहाज के पहिये धरती पर आ लगे और जहाज हवाई पट्टी पर दौड़ने लगा और कुछ देर बाद रुक गया। हवाई जहाज सफर का पहिला अनुभव बहुत ही रोमांचित करने वाले था।

कुल मिलाकर इस पहिला हवाई यात्रा का अनुभव मै कभी भूल नहीं पाऊँगा।

@ संजय रामचन्द्र कदम
अनुभाग अधिकारी, परिचालन विभाग
पश्चिम क्षेत्र, मुंबई

हिंदी मेरे हिंद की

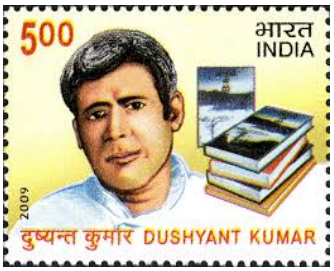

यात्रा वृतांत

हिंदी जाननेवाला व्यक्ति देश के किसी कोने में जाकर अपना काम चला लेता है।

- देवव्रत शास्त्री

रेल व सड़क से अमृतसर व धर्मशाला यात्रा का रोमांचक अनुभव

मैं अपने व मित्र के परिवार के साथ दिनांक 29 मार्च 2019 से 2 अप्रैल 2019 तक अमृतसर, धर्मशाला की यात्रा पर रहा । यात्रा का आरंभ रेल मार्ग से आरंभ हुआ व इसका समापन 30 मार्च 2019 को सिखों के परम पवित्र स्थल स्वर्ण मंदिर अमृतसर में पहुंचकर हुआ ।

हमारी यह यात्रा भक्तिभाव, देशभक्ति व रोमांच से भरपूर थी, जहां हमको स्वर्ण मंदिर में अकाल तख्त के चिर प्रतिक्षित दर्शन हुए, व गुरु के अलौकिक दर्शन से मेरे व मित्र के परिवार को एक शांति व सुखद अनुभव की प्राप्ति हुई । मुझे यह कहते हुए आत्मसंतोष व सुखद अनुभूति हो रही है कि स्वर्ण मंदिर आज सर्वधर्म संभाव का एक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में समस्त धर्म अनुयायियों के आस्था का केंद्र बना हुआ है, स्वर्ण मंदिर की छठा व व्यवस्था सभी को आकर्षित करती है ।

स्वर्ण मंदिर के दर्शन के पश्चात हम सड़क मार्ग से अटारी बॉर्डर पहुंचे जहां पर हमने बीएसएफ द्वारा रोज होने वाली परेड को देखा । बीएसएफ द्वारा प्रस्तुत परेड से जहां हर हिंदुस्तानी को देशभक्ति से ओतप्रोत ऊर्जा का अनुभव हुआ वहीं सीमा पर लगे हुए बीएसएफ के जवानों का पराक्रम व कोशन देखने को मिला ।

31 मार्च 2019 को सुबह हमने जलियांवाला बाग को देखा जनरल डायर द्वारा जहां पर 1919 निहत्थे लोगों पर गोलियां चलवाई गई थी उस स्थान का अनुभव जहां पीड़ादायक था, वही क्रोध भी इस घटना के विरोध को दर्शा रहा था ।

हिंदी मेरे हिंद की

हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है।

- कमलापति त्रिपाठी

तत्पश्चात दिनांक 31 मार्च 2019 को हमने अगली यात्रा जो की धर्मशाला मैक्लोडगंज हिमाचल के लिए थी उसको हमने सड़क मार्ग से बस द्वारा की, जहां पठानकोट तक बस सड़क मार्ग से पंजाब की सीमा में सीधी सड़कों पर चल रही थी वही हिमाचल की सीमा में प्रवेश करते ही हिचकोले खाने लगी क्योंकि स्वभाविक है पहाड़ी रास्तों में हमें घुमावदार सड़कों का अनुभव हो रहा था वही कभी चढ़ाई वह कभी उतार का भी अनुभव हो रहा था । शाम को लगभग 6:30 बजे हैं हम मैक्लोडगंज हिमाचल में पहुंच गए थे । यह स्थान बौध अनुयायियों का है जो दलाई लामा के तिब्बत समाज के लोगों का रिहायशी स्थल के रूप में जाना जाता है ।

दिनांक 1 अप्रैल 2019 को हमने दलाई लामा जी के महल व बौध व तिब्बत समाज के लोगों के पूजा स्थल तथा करमापा लामा के मठ का भी अवलोकन किया जहां पर तिब्बत धर्म के बच्चों को स्कूली शिक्षा दी जाती है । तत्पश्चात 2 अप्रैल 2019 को हमने बक्सुनाथ मंदिर के दर्शन किए जो कि भगवान शिव के अवतार के रूप में जाने जाते हैं तथा वहीं एक प्राकृतिक झील का भी अवलोकन किया जहां पर भारत के कोने-कोने से आए हुए सैलानी झील व पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद उठा रहे थे ।

2 अप्रैल 2019 को शाम 7:00 बजे से हमने दिल्ली की ओर सड़क मार्ग से बस यात्रा आरंभ की, बस की यह यात्रा पंजाब के बॉर्डर तक काफी कठिन रही, क्योंकि चक्रधार सड़कों में यात्रियों को एक नये एहसास का अनुभव कराया जिससे यात्री कुछ तो परेशान रहे और कुछ रोमांचित रहे ।

यह चार दिवसीय यात्रा जो रेल मार्ग से आरंभ होते हुए सड़क मार्ग से बस के माध्यम से एक रोमांचक यादगार के रूप में मेरे परिवार के लोगों को याद रहेगी और लंबे समय तक हमारें स्मृति पटल पर यात्रा का अनुभव प्रतिबिंबित होता रहेगा ।

@ विनोद चन्द्र तिवारी
अनुभाग अधिकारी, इंफो सेवा विभाग
प्रधान कार्यालय, नोएडा

हिंदी मेरे हिंद की

राजभाषा विशेष

भारतीय साहित्य और संस्कृति को हिंदी की देन बड़ी महत्त्वपूर्ण है।

- सम्पूर्णानन्द

"भारत में राजभाषा हिंदी का महत्व"

हिंदी हमारी जान है आन बान और शान है
मातृत्व पर मरने वालों की यही तो पहचान है
हिंदी से है हिंदुस्तान यही अपना अभिमान है
सबकी सखी सबसे सरल जैसे सबका सम्मान है
बोली में ये अपनापन देती अखंडता इसका ईमान है
यही तो है अपनी धरती पर प्रेम का दूजा नाम है
संविधान में पारित कॉलेज से विधालयों तक पूजित
जन जन का गौरव लेखको के बीच सर्वशक्तिमान है
आओ सब बढ़ाए इसका मान तभी होगी ये हर बोली में विद्यमान।

@ शशिकान्त प्रजापति
कनिष्ठ अनुदेशक, पीएचटीआई
पश्चिम क्षेत्र, मुंबई

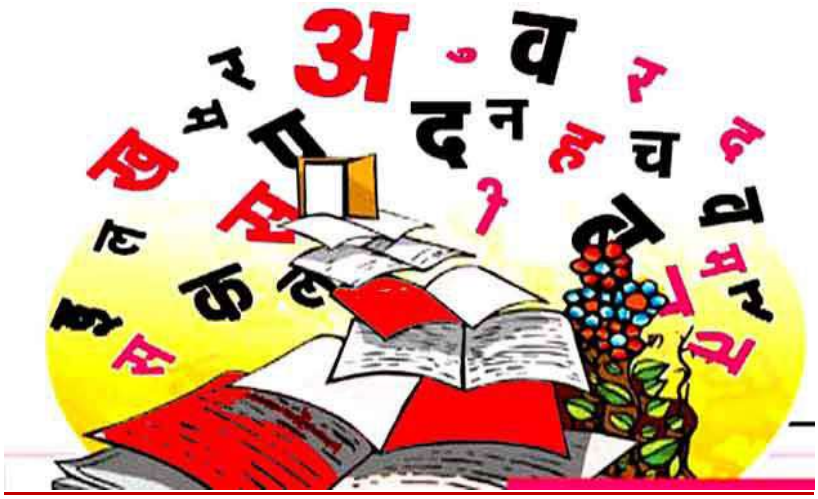

भाषा बिना व्यर्थ हो जाता ईश्वरीय भी हो ज्ञान,
सब दानों से बहुत बड़ा है ईश्वर का यह दान।
असंख्य हैं इसके उपकार।
करो अपनी हिंदी भाषा से प्यार।।

@ फुरकान आलम
कार्यशाला प्रदर्शक, पीएचटीआई
पश्चिम क्षेत्र, मुंबई

हिंदी मेरे हिंद की

यात्रा वृतांत

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

हिंदी के द्वारा ही अखिल भारत की राष्ट्रीय एकता सुदृढ़ हो सकती है।

- भूदेव मुखर्जी

'मेरे जीवन की यादगार हेलीकाप्टर यात्रा का अनुभव'

यात्रा हमारे ज्ञान को बढ़ाता है। यात्रा पर होने पर, एक व्यक्ति विभिन्न जातियों, क्षेत्रों, धर्मों, आदि के लोगों से मिलता है। एक व्यक्ति विभिन्न स्थानों का दौरा करता है। प्रत्येक स्थान का अपना महत्व है। शिक्षा संस्थान अपनी छुट्टियों के दौरान अपने छात्रों के लिए यात्रा कार्यक्रमों की व्यवस्था करते हैं। पश्चिमी देशों के छात्र अक्सर और दूर तक यात्रा करते हैं। यात्रा खुशी भी बहुत देती है। यह हमें पर्यावरण में होने वाले परिवर्तन को भी दिखाती है। यह हमें दिन-रात की चिंताओं से राहत देती है। यह विभिन्न आदतों और रिवाजों के साथ लोगों से मिलने का मौका देती है। जब हम व्यक्तिगत रूप से यात्रा करते हैं तो एक फर्क पड़ता है की आपको सबकुछ अकेले करना पड़ता है।

यादगार यात्रा के रूप में मुझे मेरी पहली हेलीकॉप्टर यात्रा की याद हो आती है। पवन हंस कंपनी ने मुझे दमन से दीव हेलीकाप्टर यात्रा करने का मौका दिया जो मेरी जिंदगी का पहला अनुभव था। उसके लिए मैं कंपनी का हमेशा आभारी रहूँगा। आज से पहले मैंने दमन का नाम केवल किताबों मे ही पढ़ा था। पवन हंस हेलिपोर्ट का द्रश्य बहुत ही रोचक था।

आज से पहले मैने कभी इतनी लंबी यात्रा नहीं की थी फिर भी मन में एक उत्सुकता की ललक जाग रही थी। बोर्डिंग पास कंपनी ने दिया था तो ज्यादा परेशानी नहीं हुई। उसके बाद एयरपोर्ट के सुरक्षा कर्मियों ने मेरी तलाशी ली और बोर्डिंग पास चेक किया। हेलीकॉप्टर में बोर्डिंग करने से पहले मुझे पवन हंस के स्टाफ ने सुरक्षा से जुड़े नियम बताए। मेरी विंडो शीट थी। इस कारण मुझे बाहर का दृश्य साफ नजर आ रहा था जिसमें मैने पायलट तथा टेक्निकल लोगों को भी अपना अपना काम करते हुए देखा।

कुछ समय बाद पायलट ने मुझे सीट बेल्ट बांधने को कहा। पायलट ने प्री फ्लाइट चेक किया और टेक ऑफ किया। यह समय मेरे लिए बहुत ही यादगार पल था और मन में डर भी था क्योंकि उसमें मैं अकेला यात्री था। मैं मन ही मन भगवान को याद कर रहा था क्योंकि दमन से दीव की धरातल का अब दिखना बंद हो चुका था। हेलीकाप्टर अब आसमान की और बढ्ता ही जा रहा थे तथा इंजिन की आवाज भी बहुत तेज थी।

उस दिन मौसम भी साफ़ नहीं था फिर भी मुझे बहुत आनंद महसूस हो रहा था क्योंकि पहली बार मैं अपनी आंखों से ऊपर से नीचे सब कुछ देख पा रहा था। मौसम साफ़ नहीं होने के कारण हेलीकॉप्टर बहुत हिल रहा था। कम से कम मुझे एक घंटे की समुद्री यात्रा करनी थी। कुछ समय बाद फिर से पायलट ने मुझसे सीट बेल्ट बांधने को कहा क्योंकि चारों ओर बहुत ही काले-काले बादल थे। अचानक पायलट हेलीकाप्टर को नीचे की और लाने लगा उस समय मुझे ऐसा लगा जैसे कि कलेजा बाहर आ गया हो। पूरे रास्ते समुन्द्र मे बड़े-बड़े पानी के जहाज दिखाई दिए। कभी-कभी पक्षियों का झुंड भी दिखाई देता था। कुछ समय बाद इंजिन की आवाज़ बदली बदली सी लग रही थी तथा हेलीकॉप्टर की गति भी कम हो रही थी। अब मुझे जमीन पर बिल्डिंग, कारें, बस तथा आदमी भी नज़र आने लगे थे। ऊपर से दृश्य देखकर ऐसा लग रहा था मानो स्वर्ग से धरती पर आ रहा हूँ। ऐसा लग रहा था कि अब मेरी यात्रा पूरी होने वाली है एक तरफ मन में खुशी हो रही थी वही दूसरी ओर मन मे एक मलाल भी हो रहा था कि अब हेलीकॉप्टर से उतरना पड़ेगा। मैं मन मे सोच ही रहा था की हेलीकाप्टर उतर गया और मुझे सीट बेल्ट खोले को कहा गया। ये पल मेरे लिए भावूक होने का था क्यूकी इतनी यादगार यात्रा वो भी हेलीकाप्टर के द्वारा मेरे लिए इस जीवन मे अदभूत, अविश्वार्णिए तथा अकाल्पनिए थी . यदि मुझे हेलीकाप्टर यात्रा करने का द्वारा मौका मिले तो भी मे अपनी पहली यात्रा को जीवन भर नहीं भूल पाऊँगा।

@ शशिकान्त प्रजापति

कनिष्ठ अनुदेशक, पीएचटीआई

पश्चिम क्षेत्र, मुंबई

हिंदी मेरे हिंद की

हिंदी उन सभी गुणों से अलंकृत है जिनके बल पर वह विश्व की साहित्यिक भाषाओं की अगली श्रेणी में सभासीन हो सकती है।

- मैथिलीशरण गुप्त

राजभाषा स्लोगन

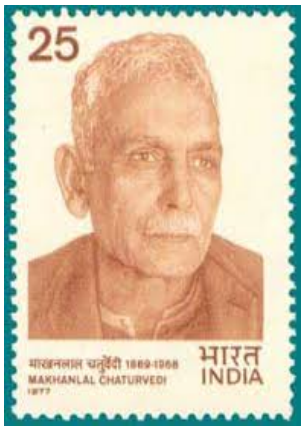

विचारों का आपस में करना हो आदान-प्रदान, हिंदी भाषा है उसके लिए सबसे आसान

@ सुश्री शीतल यशवंत सालुंखे॰ कनिष्ठ सहायक (वित्त एवं लेखा), पश्चिमी क्षेत्र

हिंदी बोली में है मिसरी घुली, जो बोले वह बन जाए हमजोली
तो आओ हम सब मिलकर बोले हिंदी बोली

@ सुश्री अफरोज दलवी, सचिवीय अधिकारी (वित्त एवं लेखा), पश्चिमी क्षेत्र

जिससे जुड़ी हमारी हर आशा है, वो हमारी हिंदी भाषा है

@ सुश्री मंगला नितिन निकम, पुस्तकालयाध्यक्ष (पीएचटीआई), पश्चिमी क्षेत्र

हिंदी में वाचन व कार्य, जीवन को नया मोड़ देता है, हिंदी का ममत्व सबको जोड़ देता है

@ सुश्री प्रीति वर्मा, कनिष्ठ तकनीशियन (अभियांत्रिकी), उत्तरी क्षेत्र

हिंदी हमारी शान है, देश का अभिमान है, हिंदी का सम्मान करें, देश का मान करें

@ रजिना मैस्करेन्हंस, अनुभाग अधिकारी (सामग्री), पश्चिमी क्षेत्र

अगर करना हो राष्ट्र निर्माण, सर्वोपरि हो हिंदी का मान

@ आशिष कुमार, कनिष्ठ तकनीशियन (अभियांत्रिकी), पूर्वी क्षेत्र

हिंदी है तो संस्कृति है

@ किरन तनेजा, सचिवीय अधिकारी (कंपनी सचिव व विधि), प्रधान कार्यालय

हिंदी में बात है क्योंकि हिंदी में जज्बात है

@ नरिंदर कुमार अरोड़ा, सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन), प्रधान कार्यालय

जहां हो राष्ट्र भाषा का सम्मान, देश करे निरंतर उत्थान

@ अल्का ग्रोवर, सचिवीय अधिकारी (परिचालन), प्रधान कार्यालय

हिन्दी

हिंदी मेरे हिंद की

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

अब हिंदी ही माँ भारती हो गई है- वह सबकी आराध्य है, सबकी संपत्ति है।

- रविशंकर शुक्ल

हिंदी मेरे हिंद की

हिंदी भाषा की उन्नति का अर्थ है राष्ट्र और जाति की उन्नति।

- रामवृक्ष बेनीपुरी

जब भारत करेगा हिंदी का सम्मान, तभी तो आगे बढ़ेगा हिंदुस्तान
@ ऊषा कुमार, सचिवीय अधिकारी (मानव संसाधन व प्रशासन), प्रधान कार्यालय

हमारे भारत की पहचान, हिंदी भाषा पर है अभिमान
@ अनिल शेषनाथ चौहान, आईटी सहायक (इंफो सेवा), पश्चिमी क्षेत्र

हिंदी ने दिलाई थी हमे आजादी, आज हिंदीमय हो गई दुनिया की आबादी
@ जंगवीर सिंह, सहायक प्रबंधक (प्रशासन), प्रधान कार्यालय

जो स्थान है नारी के माथे पर बिंदी का, वही स्थान है भाषाओं में हिंदी का,
जात-पात के बंधन को तोड़ें हिंदी अपनाएं और देश को जोड़ें
@ अंजलि ककर, अधिकारी (निगम मामला) तृतीय पक्ष संविदा कार्मिक, प्रधान कार्यालय

मातृभाषा सा अपनापन और सरलता हिंदी से बढ़ाओ निकटता
@ निशा पंडित, अनुभाग अधिकारी (वित्त एवं लेखा), पश्चिमी क्षेत्र

हिंदी का सम्मान, देश का सन्मान, हमारी स्वतंत्रता वहाँ है, राष्ट्रभाषा जहाँ है
@ वासुदेव गणपती खापेकर, सहायक (सामग्री), पश्चिमी क्षेत्र

हिंदी से हिंदुस्तान है, हिंदी भाषा हमारी शान है
@ खुशबू कपूर, कनिष्ठ तकनीशियन (अभियांत्रिकी), पश्चिमी क्षेत्र

राष्ट्रभाषा हमारी हिंदी है, भारत माँ के माथे की बिंदी है,
भारत की शान है हिंदी, हर भारतीय की पहचान है हिंदी
@ संजय गोगिया, सचिवीय अधिकारी (कंपनी सचिव व विधि), प्रधान कार्यालय

भारत की राजभाषा है हिंदी, भारत का अभिमान है हिंदी,
प्रगति की पहचान है हिंदी, राष्ट्रधारा का निर्माण है हिंदी
@ आशीष यादव, उप महाप्रबंधक (आंतरिक लेखा परीक्षा), प्रधान कार्यालय

हिंदी में बात है, हिंदी में जज़्बात है, हिंदी से गति है हिंदी से प्रगति है
@ सरिता, अनुभाग अधिकारी (सिविल), प्रधान कार्यालय

भारत माता के मस्तक पर गौरव की बिंदी, हम सबका स्वाभिमान है राजभाषा हिंदी
@ शशिकांत प्रजापति, कनिष्ठ अनुदेशक (पीएचटीआई), प्रधान कार्यालय

हिंदी भाषा को अपनाना हमारा अभियान है, क्योंकि हिंदी ही तो हिंदुस्तान की पहचान है
@ पूनम, कार्यालय सहायक (अभियांत्रिकी), उत्तरी क्षेत्र

देश एक, बोलचाल की भाषा अनेक, फिर भी राजकाज की भाषा में हिंदी सबसे नेक
@ प्रकाश डी मोरे, अनुभाग अधिकारी (मासं व प्रशा), पश्चिमी क्षेत्र

हिंदी मेरे हिंद की

हिंदी भाषा हमारे लिए किसने बनाई? प्रकृति ने। हमारे लिये हिंदी प्रकृतिसिद्ध है।

- पं. गिरिधर शर्मा

सीखो चाहे जितनी भाषाएँ अनेक, हिंदी सबसे सरल है, आसान है,
हिंदी ही बांधे सबको एक सूत्र में, यही मूलमंत्र है एक
@ राज शर्मा, सचिवीय अधिकारी (मानव संसाधन व प्रशासन), प्रधान कार्यालय

अनेक प्रदेश है भारत में, पर एक है देश, अनेक भाषा है भारत में पर, हिंदी है विशेष
@ अजय कमल, कनिष्ठ सचिवीय अधिकारी (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सचिवालय), प्रधान कार्यालय

हिंदी मेरा ईमान है, हिंदी मेरी पहचान है, हिंदी हूँ मैं, वतन भी मेरा हिंदुस्तान है
@ श्वेता, कनिष्ठ अनुदेशक (पीएचटीआई), प्रधान कार्यालय

हिंदी में वो शक्ति है हमारी संस्कृति की उन्नति है
@ नीता सक्सेना, सचिवीय अधिकारी (कार्यपालक निदेशक सचिवालय), प्रधान कार्यालय

चूमना पड़ता है फांसी के फंदे को चरखा चलाने से कभी इंसाफ नहीं मिलता,
हिंदी अपनाओ हिंदी लाओ
@ राहुल गुप्ता, सहायक लेखा परीक्षक (आंतरिक लेखा परीक्षा), प्रधान कार्यालय

पूर्ण अभिव्यक्ति की आज़ादी, हिंदी में ही है आती
@ चेतन बेहल, संयुक्त महाप्रबंधक (एमआरओ), पश्चिमी क्षेत्र

भाषा में विविधता, रहन सहन में विविधता,
हिंदी भाषा है सबसे प्यारी, लाती सब में एकता
@ शिल्पा प्रेमराज मेश्राम, सहायक महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा), पश्चिमी क्षेत्र

देश की पहचान, हिंदी है मेरी जान
@ राजेंद्र कुमार सुदाम सातपूते, अनुभाग अधिकारी (अभियांत्रिकी), प्रधान कार्यालय

जब तक आपके पास राष्टभाषा नही, आपका कोई राष्ट भी नही
@ दीपक कुमार, अधिकारी (प्रशासन), तृतीय पक्ष संविदा कार्मिक, प्रधान कार्यालय

भारत का विकास, हिंदी के साथ
@ धनेश्वर महंता, बेस सहायक (गुवाहाटी), पूर्वी क्षेत्र

हिंदी हमारी भाषा सुंदर-सरल भाषा हमारे हिंदुस्तान की हिंदी, हमारे भारत की बिंदी हिंदी भाषा है देश की शान गर्व से कहो भारत है महान
@ प्रतिभा भिंगार्डे, कनिष्ठ अनुभाग अधिकारी (वित्त एवं लेखा), पश्चिमी क्षेत्र

आओ मिलकर कदम बढ़ाएं, हिंदी में पवन हंस आगे बढ़ता जाए
@ विक्रम पाटील, संविदागत कनिष्ठ सहायक, पश्चिमी क्षेत्र

हिंदी मेरे हिंद की

हिंदी भाषा उस समुद्र जलराशि की तरह है जिसमें अनेक नदियाँ मिली हों।

- वासुदेवशरण अग्रवाल

हिंदी हमारे राष्ट्र का अभिमान है इसलिए हमको इस पर मान है

@ सुनीता महाजन, सहायक प्रबंधक (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सचिवालय), प्रधान कार्यालय

देश की आशा, हिंदी भाषा

@ राणा सूर्य प्रताप सिंह, सहायक (परिचालन), प्रधान कार्यालय

करें हम ऐसा काम, बनी रहेगी देश की शान, धरती माता का करो सम्मान, आसपास का करके सुधार

@ सुदीप्त साँतरा, बेस कोऑर्डिनेटर (अभियांत्रिकी), पूर्वी क्षेत्र

अंग्रेजी को पछाड़ दो, हिंदी को आकार दो अंग्रेजी खाली आशा है, हिंदी तो राष्ट्रभाषा है

@ देवेंद्र पाल आर्य, इन्फोकॉम सहायक (इंफो सेवा), उत्तरी क्षेत्र

भारत देश का एक ही अरमान, राष्ट्रभाषा हिंदी रहे हमारी शान हम सबका एक ही नारा हिंदी में कार्य करना संकल्प हमारा

@ मनोज कुमार वर्मा, सचिवीय अधिकारी (मानव संसाधन एवं प्रशासन), उत्तरी क्षेत्र

भारत का वजूद है हिंदी हर भारतीय के दिल में मौजूद है हिंदी

@ रेखा रानी, आशुलिपिक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), प्रधान कार्यालय

हिंदी मेरे हिंद की

संप्रति जितनी भाषाएं भारत में प्रचलित हैं उनमें से हिंदी भाषा प्राय: सर्वत्र व्यवहृत होती है।

- केशवचंद्र सेन

फोटो फीचर

पवन हंस लिमिटेड के प्रधान कार्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियों के माध्यम से योग दिवस का आयोजन व इस आयोजन के क्रम में कर्मचारियों द्वारा योग आसनों का प्रदर्शन, हंसध्वनि का विमोचन दिखाई दे रहा है। अन्य दृश्यों में स्वच्छ भारत अभियान के दौरान संपन्न गतिविधियों की झलक।

हिंदी मेरे हिंद की

श्री राम कृष्ण
प्रमुख (इन्फोकॉम सेवा एवं निगमित संचार)

हिंदी भाषा ही एक ऐसी भाषा है जो सभी प्रांतों की भाषा हो सकती है।

- पं. कृ. रंगनाथ पिल्लयार

पवन हंस में ई-गवर्नेंश

पवन हंस लिमिटेड में सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से तकनीकी रूपांतरण को संभव बनाने में सबसे महत्वपूर्ण घटक के रूप में आईसीटी अर्थात इंफॉर्मेशन कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी का अहम योगदान है।

आज के इस डिजिटल दौर में संचार के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी समाधानों को अपनाए बिना बेहतर प्रबंधन संभव नहीं है। पवन हंस में कंपनी को विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिए हमारा उद्देश्य हमेशा पूरी तरह से नवीनतम और उपयोक्ता के लिए प्रयोग में आसान प्रौद्योगिकी को लागू करने में रहता है।

पवन हंस ने एक लघु आकार के पीएसयू के रूप में आईसीटी के उपयोग के महत्व को महसूस किया है और अपने व्यावसायिक अनुप्रयोग के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास किया है। संगठन ने विभिन्न व्यावसायिक अनुप्रयोगों जैसे आईआईएसपी (एकीकृत सूचना प्रणाली), ई-टेंडरिंग, यात्री सेवाओं के लिए ई-टिकिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, वीओआईपी (वॉयस ओवर इंटरनेट टेलीफोनी) जैसे समाधानों को लागू किया है। आईसीटी द्वारा कार्मिकों को महत्वपूर्ण जानकारी का उपयोग करने में सक्षम और प्रतिस्पर्धी लाभ उठाने योग्य बनाया जाना संभव हुआ है।

आईसीटी के माध्यम से सेवाओं, कंप्यूटिंग संसाधनों, ऑनलाइन शिक्षण सामग्रियों, प्रशिक्षण मैनुअलों और अन्य केंद्रीकृत अनुप्रयोगों के लिए आसान और त्वरित पहुंच की सुविधा संभव हुई है। तकनीकी प्रणालियाँ कर्मचारियों को अपने कौशल को लगातार उन्नत करने और अपने काम के माहौल में विविध सुधार लाने के लिए सशक्त बनाती हैं। एक सूचना प्रणाली (IS) को आमतौर पर परस्पर संबंधित तत्वों या घटकों का एक समूह माना जाता है जो इनपुट एकत्र करते हैं, प्रक्रियाएं करते हैं, और डाटा और सूचना का प्रसार करते हैं। इसके साथ ही किसी विशेष उद्देश्य को पूरा करने के लिए एक प्रतिक्रिया तंत्र प्रदान करते हैं।

आईआईएसपी अर्थात पवन हंस लिमिटेड के लिए एकीकृत सूचना प्रणाली

इन-हाउस ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) प्रणाली, आईआईएसपी पैकेज पवन हंस में विभिन्न विभागों के माध्यम से सूचना के प्रवाह को सुव्यवस्थित और व्यवस्थित करने में पूरी तरह से सक्षम है।

आईआईएसपी दक्षता में सुधार की ओर ले जाता है और यह विभिन्न कर्मचारियों के स्तर पर ऊपर से नीचे तक बेहतर निर्णय लेने के लिए सूचना की समय पर उपलब्धता की सुविधा प्रदान करता है।

आईआईएसपी में चार प्रमुख मॉड्यूल हैं:

एफडीएसएस

उड़ान के बाद लाइसेंस के अद्यतन, मेडिकल और प्रशिक्षण आवश्यकताओं के स्वचालित सत्यापन के बाद पायलटों का समयबद्धन / निर्धारण राजस्व व गैर राजस्व उड़ान घंटों के आधार पर संभव है।

हिंदी मेरे हिंद की

सीएचएमएस

हेलिकॉप्टरों की प्रभावी तैनाती के लिए, सिस्टम हेलिकॉप्टर के घटकों; इंजन, विमान के यात्रा लॉग बुक को दैनिक अद्यतन किया जाता है यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि डीजीसीए के मानदंडों के अनुसार समय पर निरीक्षण किया जाए। प्रणाली विमान पर की गई गतिविधियों के इतिहास को भी बनाए रखती है।

एमएमएस

यह मॉड्यूल सीएचएमएस मॉड्यूल के साथ जुड़ा हुआ है जो आइटम प्राप्त करने (सर्विस करने योग्य / अप्रचलित) और मरम्मत के लिए संबंधित ओईएम या बाहर की एजेंसी को भेजते हैं। सामान्य रूप से क्षेत्र की सूची को नियंत्रित करने में यह सक्षम है।

एफएसएस

यह प्रणाली नकदी / बैंक विवरण, बिक्री / खरीद, पेरोल को बनाए रखने और बैलेंस शीट / लाभ और हानि विवरण तैयार करने और कई और अधिक उद्देश्यों को पूरा करती है।

चारों मॉड्यूल आपस में डाटा का आदान-प्रदान करते हैं और रियल टाइम इंफोर्मेशन को सभी क्षेत्रीय और बेस कार्यालयों में इंट्री की जाती है।

वेबसाइट और इंट्रानेट सिस्टम

पवन हंस और अन्य विभिन्न गतिविधियों जैसे ऑनलाइन सिस्टम आदि के माध्यम से हेलीकॉप्टर की बुकिंग के बारे में प्रपत्र, प्रतिक्रिया, आवेदन और हाल ही में समाचार प्रस्तुत करने का प्रावधान प्रारंभ हुआ है। निविदाएं ऑनलाइन अपलोड की जा सकती हैं और समय-सीमा समाप्त निविदाओं के स्वतः हटाने की सुविधा है।

इंट्रानेट पोर्टल संगठन में सभी कर्मचारियों के बीच सूचना के समान वितरण की ओर जाता है, और यह संगठन के भीतर कर्मचारियों के प्रति संचार बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उद्यम की उत्पादकता भी बढ़ाता है।

हिंदी हमारी भारतीय संस्कृति की वाणी ही तो है।

- शांतानंद नाथ

हिन्दी

हिंदी मेरे हिंद की

YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

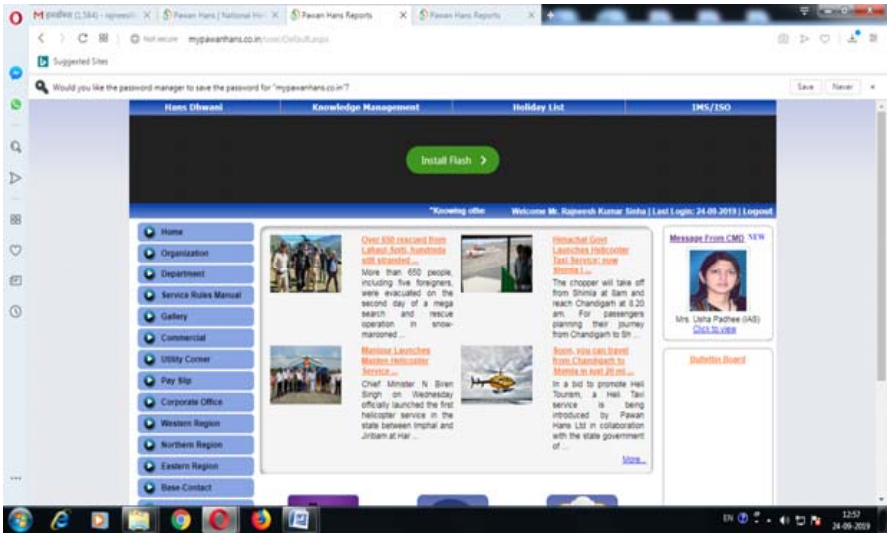

मैं दुनिया की सब भाषाओं की इज्जत करता हूँ, परन्तु मेरे देश में हिंदी की इज्जत न हो, यह मैं नहीं सह सकता।

- विनोबा भावे

ई-टिकटिंग

ई-टिकटिंग के माध्यम से, टिकट वेब के माध्यम से ऑनलाइन बुक किए जा सकते हैं। ग्राहकों को अपने टिकटों की बुकिंग, या रद्द करने की सुविधा इज ऑफ डूइंग बिज़नेस को बढ़ावा देती है।

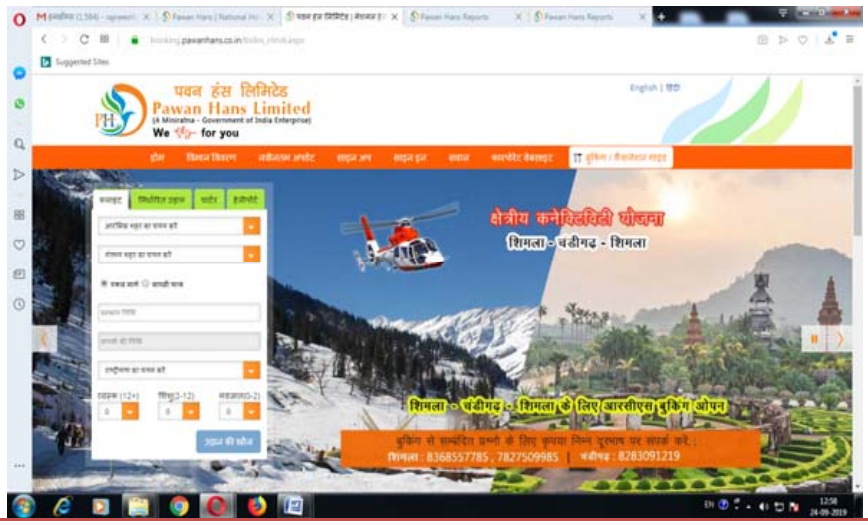

एकीकृत लोकल एरिया नेटवर्क (एलएएन) और वाइड एरिया नेटवर्क (डब्लूएएन)

पवन हंस ने एक अत्यधिक स्केलेबल और सार्थक एलएएन/डब्लूएएन डिज़ाइन किया है। लोकल एरिया नेटवर्क के लिए नेटवर्क आर्किटेक्चर में कोर और डिस्ट्रीब्यूशन स्विच के साथ फाइबर बैकबोन कनेक्टिविटी होती है।

लैन पर जुड़े सभी कंप्यूटर / वर्कस्टेशन एक दूसरे के साथ संवाद कर सकते हैं। प्रत्येक कंप्यूटर के पास अपने संसाधन होते हैं लेकिन लैन पर अन्य उपकरणों को एक्सेस करने की अनुमति दी जाती है, बशर्ते उसके पास आवश्यक अनुमतियाँ हों। यह उपयोगकर्ताओं को डेटा साझा करने, प्रिंटर और स्कैनर जैसे महंगे संसाधनों को साझा करने और ईमेल और त्वरित संदेश के माध्यम से संवाद करने की अनुमति देता है।

हिंदी मेरे हिंद की

हिंदी को संस्कृत से विच्छिन्न करके देखने वाले उसकी अधिकांश महिमा से अपरिचित हैं।

-हज़ारीप्रसाद द्विवेदी

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

अत्याधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम के उपयोग से देश में विभिन्न स्थानों पर स्थित कर्मचारियों और प्रबंधन टीमों के बीच आसानी से और तेजी से संचार हो रहा है। इस तरह की प्रणालियों से परिचालन लागत कम हो जाती है, क्योंकि कर्मचारियों को आमने-सामने आने के लिए यात्रा नहीं करनी पड़ती है जिससे परिचालनगत लागत में कटौती आती है।

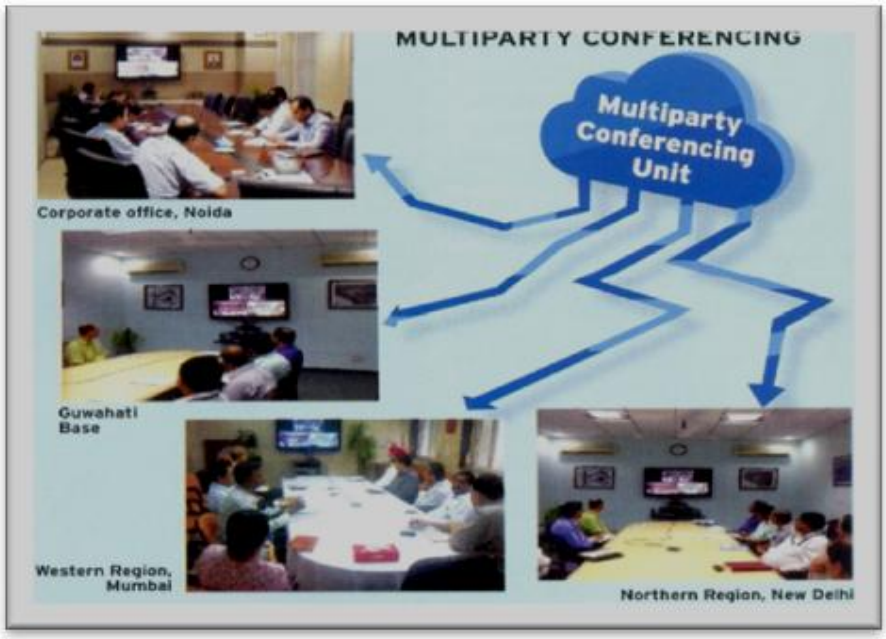

एकीकृत संचार

यूनिफाइड कम्युनिकेशन सिस्टम उपयोगकर्ताओं को वीओआइपी (वॉयस ओवर इंटरनेट टेलीफोनी) फोन प्रदान करता है, जो क्रिस्टल वॉयस सिग्नल प्रदान करने के लिए विभिन्न वॉयस कम्प्रेशन तकनीकों का उपयोग करते हैं यूनीफाइड कम्युनिकेशन गेटवे यूजर्स के लिए वॉयस मैसेज इकट्ठा करने के लिए वॉयस मेल बॉक्स के साथ भी जुड़ा होता है, जब वे अपने डेस्क पर उपलब्ध नहीं होते हैं। वॉयस मैसेज को रीप्ले और स्टोर किया जा सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर कॉर्पोरेट और क्षेत्रीय और यहां तक कि सभी कार्यालय पवन हंस में आईपी टेलीफोनी के माध्यम से जुड़े हुए हैं।

वेरी हाई फ्रीक्वेंसी (वीएचएफ) संचार

पवन हंस दूरदराज के इलाकों में जमीन और विमान के बीच सहज कनेक्टिविटी को सक्षम करने के लिए वीएचएफ संचार प्रणालियों का उपयोग करता है, जहां मोबाइल कनेक्टिविटी विश्वसनीय नहीं है.

कम दूरी के संचार के लिए हम वीएचएफ स्टेशनों और हैंड हेल्ड का उपयोग करते हैं। बेस स्टेशन प्रत्येक बिल्डिंग की छत पर निश्चित एंटेना से जुड़ी शक्तिशाली इकाइयाँ हैं और मौसम की परवाह किए बिना बाहर जाने पर पोर्ट / मोबाइल / वॉकी-टॉकी सभी को बेस पर ले जाया जाता है।

हिंदी मेरे हिंद की

हिंदी के विरोध का कोई भी आन्दोलन राष्ट्र की प्रगति में बाधक है।

-सुभाष चन्द्र बसु

समग्र रूप से, पवन हंस सूचना प्रौद्योगिकी में लगातार नई पहल कर रहा है, जिसमें दक्षता बढ़ाने के लिए फोकस बढ़ाने के साथ ही ऊपर से नीचे तक विभिन्न कर्मचारियों के स्तर पर निर्णय लेने की क्षमता और छोटी और लंबी अवधि के संगठनात्मक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए ग्राहकों के साथ संचार में वृद्धि करना है। । पवन हंस ने IISP (एकीकृत सूचना प्रणाली) पर राष्ट्र भर में अपने सभी क्षेत्रीय और गैसों / डिटैचमेंटों का कम्प्यूटरीकरण भी किया है और पवन हंस के इस पूर्ण व्यवसाय मॉडल को इस केंद्रीकृत IISP प्रणाली के माध्यम से एक निर्णय समर्थन उपकरण के रूप में रूट किया जा रहा है जो संबंधित विभागों को भी सक्षम बनाता है। एक कुशल और पारदर्शी तरीके से अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए संगठन के कर्मचारियों के रूप में। इस पूर्ण आईटी परिवर्तन के माध्यम से, पवन हंस ने प्रबंधन को सभी स्तरों पर वित्तीय रिसाव को कम करने में सक्षम किया है।

दक्षता में सुधार	सीमांत प्रसार

ग्राहक अनुबंध अनुकूलन →

- आर्थिक रिसाव को न्यून करने के लिए मानकीकृत।
- जारी अनुबंधों के प्रबंधन में सुधार।

आधार परिवर्तन →

- 21 बेसों पर सर्वोत्तम पहलों को साझा किया जाना।
- मानकीकरण के माध्यम से कम परिचालन लागत।

परिचालनगत केंद्र →

- 21 आधारों से प्रक्रियाओं का एकीकरण।
- एक स्थान के लिए उड़ान सहायता का समेकन।

परिचालनगत केंद्र →

- एफडीएसएस, सीएचएमएस, एमएमएस एवं एफ एंड ए के माध्यम से प्रणाली का समेकन।
- एफडीएसएस – क्रू की सिड्यूलिंग।
- सीएचएमएस – हेलीकॉप्टरों का अनुरक्षण, मरम्मत एवं ओवरहॉल।
- एमएमएस - एक पूर्ण सामग्री प्रबंधन प्रणाली।

हिंदी मेरे हिंद की

"है भव्य भारत ही हमारी मातृभूमि हरी भरी।
हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा और लिपि है नागरी॥"

-मैथिलीशरण गुप्त

राजभाषा संबंधी नीति नियम

यह देखा गया है कि भारत सरकार की राजभाषा नीति से संबंधित विभिन्न प्रावधानों का समुचित रूप से पालन नहीं होने का एक मुख्य कारण इससे अनभिज्ञता है।

भारत के संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों, राजभाषा अधिनियम, 1963, राजभाषा संकल्प, 1968 और राजभाषा नियम 1976 के अनुसार भारत सरकार के कार्यालयों में राजभाषा हिंदी में कामकाज करना और उसका विस्तार करना आवश्यक है। राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए राजभाषा संबंधी विभिन्न प्रावधानों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

राजभाषा अधिनियम 1963 (1963 का 19) की धारा 3 की उपधारा (3) में यह कहा गया है कि निम्नलिखित 14 प्रकार के दस्तावेज अनिवार्य रूप से द्विभाषी अर्थात हिंदी व अंग्रेजी एक-साथ जारी किए जाएं-

1. सामान्य आदेश	**2. संकल्प**	**3. नियम**
4. अधिसूचनाएं	**5. प्रशासनिक एवं अन्य रिपोर्ट**	
6. प्रेस विज्ञप्तियां	**7. सरकारी कागज पत्र**	
8. संविदाएं	**9. करार**	**10. अनुज्ञप्तियां**
11. अनुज्ञापत्र	**12. टेंडर नोटिस**	**13. टेंडर फॉर्म**
14. संसद के समक्ष प्रस्तुत की जाने वाली प्रशासनिक एवं अन्य रिपोर्ट		

पवन हंस लिमिटेड के सभी विभागों एवं अनुभागों से इन दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी करवाया जाना अपेक्षित है। द्विभाषी रूप में जारी करने के लिए दस्तावेज पर हस्ताक्षरकर्ता अधिकारी चेकप्वाइंट होते हैं।

राजभाषा नियम 1976 में भारत के भौगोलिक प्रदेश को हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार की स्थिति के अनुसार तीन क्षेत्रों में बांटा गया है - "क" क्षेत्र, "ख" क्षेत्र और "ग" क्षेत्र। "क" क्षेत्र में मुख्यतः हिंदी भाषी प्रदेश आते हैं, अर्थात उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांचल, छत्तीसगढ़, झारखंड, अंडमान निकोबार दीप समूह तथा दिल्ली। "ख" क्षेत्र में वे प्रदेश हैं जहाँ हिंदी मुख्य भाषा नहीं है किंतु जहां हिंदी व्यापक रूप में बोली और समझी जाती है, अर्थात महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, चंडीगढ़ दमन और दीव तथा दादरा व नगर हवेली। "ग" क्षेत्र में वे प्रदेश शामिल हैं जहाँ हिंदी का प्रयोग कम है अर्थात वे प्रदेश शामिल हैं जहाँ हिंदी का प्रयोग कम है अर्थात वे प्रदेश जो "क" और "ख" क्षेत्र में शामिल नहीं किए गए हैं।

राजभाषा विभाग द्वारा पारित राजभाषा संकल्प 1968 के अनुसरण में प्रतिवर्ष जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार संघ का राजकीय कार्य हिंदी में करने के लिए निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार "क क्षेत्र का 100% पत्राचार हिंदी में होना चाहिए "ख" क्षेत्र का पत्राचार 90% और "ग" क्षेत्र का पत्राचार 65% हिंदी में होना चाहिए। फाइलों में लिखी गई टिप्पणियों का 75% हिंदी में होना चाहिए और वेबसाइट 100% द्विभाषी रूप में होना चाहिए।

हिंदी मेरे हिंद की

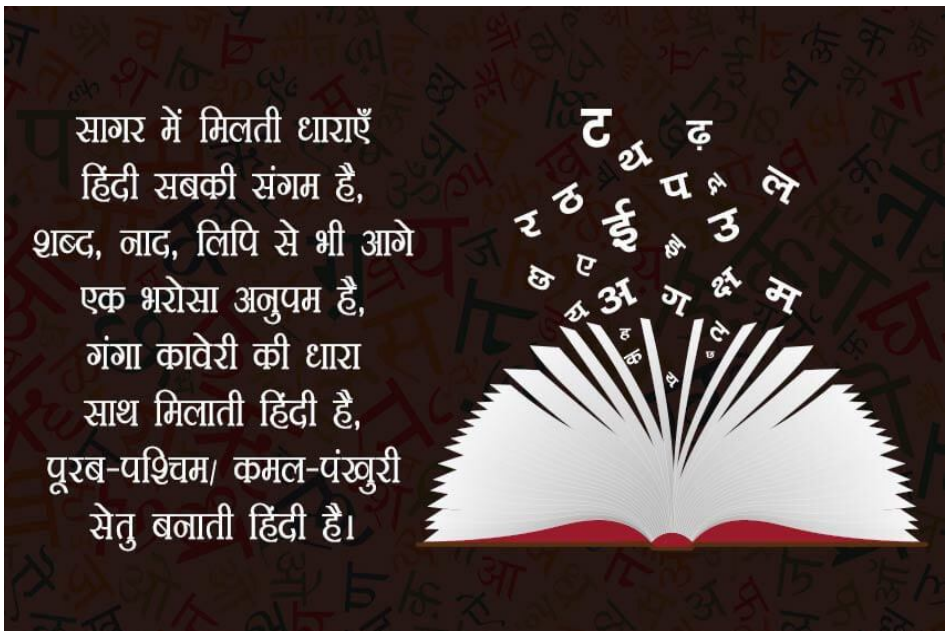

हिंदी किसी के मिटाने से मिट नहीं सकती।

-चन्द्रबली पाण्डेय

आभार:

ई-पत्रिका में दिए गए डाक टिकटों के लिए भारतीय डाक का आभार

और

अन्य संदर्भित तस्वीरों के लिए गूगल इमेज का आभार।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम-1) द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं की विजेता के रूप में पुरस्कार ग्रहण करते हुए पवन हंस की कार्मिक सुश्री प्रीति वर्मा

इस ई-पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार संबंधित लेखकों के हैं। मौलिकता एवं अन्य किसी विवाद के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी होंगे। संपादक मंडल / पवन हंस लिमिटेड से इसकी सहमति होना आवश्यक नही हैं।

नि:शुल्क एवं केवल आंतरिक वितरण के लिए।

संपादकीय पता :

पवन हंस लिमिटेड, प्रधान कार्यालय, सी-14, सैक्टर-1, नोएडा-201301 (उत्तर प्रदेश),

दूरभाष संख्या 0120-2476734,

फैक्स-0120-2476978,

ई-मेल:rajbhasha.ol@pawanhans.co.in

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

पवन हंस लिमिटेड

प्रधान कार्यालय, सी-14, सेक्टर-1, नोएडा 201301